

संघ विधान-पत्र

1. संस्था का नाम:- इस संस्था का नाम **भारती शैक्षणिक संघान** समिति/सोसाइटी/संस्थान/संस्था है वरहेगा।
2. पंजीकृत कार्यालय इस संस्था का पंजीकृत कार्यालय **वाराण्सी (मरुभूमि)** है
तथा कार्यक्षेत्र:- **अरश्यना तह, आदी** है
तथा इसका कार्यक्षेत्र **वाराण्सी जिला मरुभूमि तक सीमित होगा।**
3. संस्था के उद्देश्य:- इस संस्था के निम्नलिखित उद्देश्य हैं:-

1. **शैक्षिक उत्कान** - इस हेतु क्षेत्र में शूर्व शुश्रामिक, पाठ्यक्रिया, माहात्म्यिक उच्च शास्त्रिक, महाविग्रहप स्तर तक की शिक्षा प्रदान करना एवं
इतिहास, संस्कृत, वैज्ञानिक विद्याओं के राजधानी हेतु
 2. **महिला शिक्षा** एवं उनके उत्कान, मतरोन्नामन हेतु कार्य करना।
 3. **उन स्वास्थ्य कार्यक्रम** - पल्स पोलियो, अन्धारा निवारणी, टी.वी., टेली, डैन्सर व विभिन्न रोगों की रोकथान हेतु
 4. **कार्यक्रम संस्करण वर्धन और विभिन्न कार्यकारिणी**।
 5. **स्वर्य सेवा, संस्कृती, तकनीकी शिक्षा के कार्यक्रमों** एवं
सहायीता करना। तथा इष्टकी स्थापना एवं व्यापसामिक विकास की (प्रगति)
 6. **विद्यार्थी क्षेत्रों के असहायता के निर्धन बोलनालिकाओं**
के लिए वो चालमाल और उपकरण एवं स्वास्थ्य चेतना आगृहित
करना।
- उपरोक्त उद्देश्यों की पूर्ति में कोई लाभ निहित नहीं है।

अध्यक्ष
[Signature]

मानव व्यवस्था विभाग
मानव सेवा संस्थान अस्सी
तह, गढ़ी, जि. वाराण्सी (एवं)
[Signature]

मन्त्री

श्री केरलील श्री उरुकुमा प्रोफेसर दलल कर्मी
मानव सेवा संस्थान अस्सी (एवं) तह, गढ़ी, जि. वाराण्सी (एवं) तह, गढ़ी, जि. वाराण्सी (एवं)

7. शाकाहार एवं उचिता का प्रचार प्रवार करना।
8. दर्शनशैली एवं वस्त्रजीवी की सुरक्षा हेतु लौकिकोपन करना व अब ० चेतना आग्रह करना।
9. निरसनशैली उन्मुख एवं साक्षरता एवं घोट किण्वा कार्यों का आमोजन।
10. अ.जा. / अ.ज.जा. ४७ निम्न जगतों में किण्वा + प्रसार करना व पिछड़े दलों की दुरुरोगों का उभास करना।
11. समाज में प्रचारित अन्धविश्वास एवं कुशीतियों के उन्मुख छेत्र प्रयास करना।
12. दोनों में बदल रहे राष्ट्रीय उद्योगों के आमोजन के संदेश व आजीदारी करना।
13. हिन्दी, अंग्रेजी, लोकों के उन्नयन हेतु कोषिश कोठर कार्यकालों विविरी का आमोजन करना।
14. जन जाति व्यक्तियों के ग्रामीण विकास तथा सरकारी देश अनदित रूप उन्नयन करना।
15. कर्मधानिक जागिरारी के लिए आगामी एवं अप्रैल नागरिकों के निर्माण हेतु सुनाशानी को सख्त विकास हेतु कोड़ा।

उपरोक्त उद्देश्यों की पूर्ति में कोई लाभ निहित नहीं है।